

सं. श्रो.वि./एफ.डी./234-83/54959.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज सुरिन्द्रा माइलेवल प्रा.लि. प्लाट नं० 159, सैक्टर 24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री हरि किशोर तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्धोगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों वा प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन श्रौद्धोगिक अधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री हरि किशोर की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि./फरीदाबाद/111/83/54966.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज विक्टोरा टूल्ज प्लाट नं. 46, सैक्टर-25, फरीदाबाद के श्रमिक श्री रमेश चन्द्र तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्धोगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन श्रौद्धोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री रमेश चन्द्र की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि./एफ.डी. 11/221-83/54973.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज रिफैक्ट्रीज प्लाट नं. 394, सैक्टर-24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री मुकेश राय तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्धोगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन श्रौद्धोगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री मुकेश राय की सेवाओं का समापन न्योचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं. श्रो.वि./एफ.डी./11/230-83/54980.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैसर्ज इण्डिया कॉस्टिंग प्लॉट नं. 295, सैक्टर-24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री भाई लाल तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रौद्धोगिक विवाद है ;

और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7क के अधीन श्रौद्धोगिक अधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद को नीचे निर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या श्री भाई लाल की सेवाओं का समापन न्योचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?